भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3200

जिसका उत्तर 07.08.2025 को दिया जाना है

वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे और एनएच-81 की स्थिति

†3200. श्री अरुप चक्रवर्ती:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल में वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण, बोली और निर्माण की अद्यतन स्थिति क्या है;

(ख) क्या बेहतर पहुँच के लिए एक्सप्रेसवे डिज़ाइन को संशोधित करने हेतु हावड़ा और हुगली जिलों के स्थानीय निकायों के सुझावों पर आधिकारिक रूप से विचार किया गया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पश्चिम बंगाल में संरेखण को अंतिम रूप देने और निर्माण कार्य आरंभ करने की समय-सीमा क्या है; और

(घ) राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 81 पर चल रहे चौड़ीकरण कार्य और ग्रीनफील्ड बाईपास के पूरा होने की अपेक्षित तिथि क्या है और पूर्ण भौतिक प्रगति प्राप्त करने में देरी के क्या कारण हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) पश्चिम बंगाल राज्य में वाराणसी-कोलकाता पहुंच नियंत्रित राजमार्ग (झारखंड/पश्चिम बंगाल सीमा से बगनान तक तथा बगनान से बिष्णुपुर और जोका से शिराखोले तक अमतला बाईपास सहित कोलकाता तक एक स्पर मार्ग के साथ) के संरेखण को राज्य सरकार के साथ परामर्श सहित उचित प्रक्रिया के बाद अनुमोदित किया गया है।

पुरुलिया, बांकुरा और हुगली जिलों में राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 3(क) के अंतर्गत अधिसूचना का प्रकाशन पूरा हो चुका है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के पूरा होने और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद बोली प्रक्रिया और निर्माण कार्य शुरू किए जाएँगे।

(घ) पश्चिम बंगाल राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-81 की कुल लंबाई 59.697 किमी है। स्थिति इस प्रकार है:

1. किमी 0.000 से किमी 19.205 तक: पेव्ड शोल्डर (2एल+पीएस) के साथ 2-लेन तक पहले ही चौड़ीकरण किया जा चुका है।

2. किमी 19.205 से किमी 46.550 तक: 1 बाईपास (चंचल बाईपास) को छोड़कर दो बाईपास (समसी और मालतीपुर) सहित 2एल+पीएस तक पहले ही चौड़ीकरण किया जा चुका है और यातायात के लिए

खोल दिया गया है। चंचल बाईपास आंशिक रूप से पूरा हो चुका है और शेष 2.874 किमी लंबाई (किमी 32.500 से किमी 35.130 तक) को भूमि संबंधी मुद्दों और भूमि खोने वालों के बार-बार विरोध के कारण डी-स्कोप कर दिया गया है। चंचल बाईपास की इस डी-स्कोप लंबाई का कार्य राज्य सरकार द्वारा अतिक्रमण मुक्त भूमि उपलब्ध कराए जाने के बाद शुरू किया जाएगा।

3. किमी 46.550 से किमी 59.697 तक: 13.147 किमी लंबाई का एक ग्रीनफील्ड संरेखण निर्माणाधीन है। पिछले वर्षों में मानसून के दौरान बार-बार आने वाली बाढ़, तटबंध निर्माण के लिए तालाब की गाद की आपूर्ति में देरी, रेलवे लेवल क्रॉसिंग को बंद करने में देरी, 2018 में फरक्का बैराज को बंद करने और कोविड-19 महामारी के कारण परियोजना में देरी हुई है। अब तक, 13.147 किमी में से 9.35 किमी पूरा हो चुका है। शेष कार्य के पूरा होने की नियत तिथि 31.10.2025 है।

*****